

# हरिभूमि भिवानी-दादरी भूमि

रोहताक, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

11 भिवानी की सड़कों पर गुंजी गोमाता की राष्ट्र ...



12 पानी को लेकर किया रोड जाम मटके फोड़कर जताया...



2004 से शुरू हुई योजना में सरकार दिन प्रतिदिन कर रही बदलाव, एमडीएम इंचार्ज नहीं बनने को लेकर हो रहे झगड़े

## आखिर कैसे सुधरेगी 6.78 रुपये में प्राइमरी व 10.17 में माध्यमिक कक्षाओं तक के विद्यार्थियों की सेहत

प्रति विद्यार्थी सरकार दे रही एक रुपया चार पैसे दूध-दही एवं 52 पैसे सब्जियों का खर्च

प्रति विद्यार्थी मात्र 15 पैसे दे रही गेहूँ पिसाई बाजार में तीन गुणा अधिक प्रति किलो का रेट

एचएआईसीएल ने बच्चों के निवाले पर डाला डांका, निम्न स्तर की भेजी जा रही खाद्य सामग्री

योजना की जिम्मेदारी शिक्षकों की बजाय किसी कंपनी या किसी बेरोजगार को दी जानी चाहिए

राकेश मटरी ॥ भिवानी

सरकार ने प्राइमरी व माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को कुपोषण से बचाने के लिए मिड डे मिल योजना शुरू की थी। सरकार ने 1 सितंबर 2004 से विद्यार्थियों को स्कूल में पका-पकाया भोजन खिलाने की योजना शुरू की, जिससे विद्यार्थियों के सेहत को लेकर अच्छा खासा लाभ मिला, लेकिन अब सरकार दिन प्रतिदिन इसमें बदलाव कर रही है, जिससे मिड डे मिल इंचार्जों के पसीने छूटने लगे हैं। सरकार ने 6.78 रुपये में प्राइमरी स्तर के विद्यार्थियों व 10.17 रुपये में माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की सेहत सुधारने के लिए निश्चित किए हैं, जबकि बच्चा घर पर पांच से दस रुपये में बिस्कुट व कुरकुरे का पैकेट खा जाते हैं।

सरकार की एमडीएम योजना बहुत अच्छी है, लेकिन इसकी जिम्मेदारी शिक्षकों की बजाय गुडगांव एवं फरीदाबाद की तर्ज पर किसी कंपनी या किसी बेरोजगार को रोजगार देकर पूरी जिम्मेदारी दी जानी चाहिए, ताकि योजना का क्रियान्वयन सही ढंग से हो सके। मिड डे मिल को अमलीजामा पहनाने के लिए सरकार ने पहली से पांचवीं कक्षाओं में पढ़ने वाले प्रति विद्यार्थी 6 रुपये 78 पैसे तथा छह से आठवीं तक पढ़ने वाले प्रति विद्यार्थी 10 रुपये 17 पैसे देने निश्चित किए हैं, ऐसे में इस योजना को सुचारू रूप से चलाने को लेकर एचएआईसीएल की जिम्मेदारी नहीं लेने को लेकर शिक्षकों का झगड़ा रहता है। आखिर इतने रुपये में कैसे योजना का सही ढंग से संचालन किया जाए। योजना के पीछे सरकार की मंशा विद्यार्थियों को



कुपोषण से बचाने एवं गरीब बच्चों को भरपेट भोजन खिलाने की है, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त खर्च योजना में शामिल करना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को पोष्टिकयुक्त भोजन मिल सके, जबकि सरकार योजना अनुसार हर विद्यार्थी के लिए एक रुपये चार पैसे में उसे दूध एवं दही खिलाना चाहती है और उसे 52 पैसे सब्जी खिलाकर उसकी सेहत सुधारना चाहती है, जो आटे में नमक के समान है। वहीं योजना के अनुसार सरकार प्रति विद्यार्थी गेहूँ पिसाई के लिए मात्र 15 पैसे देती है, जबकि बाजार में पिसाई तीन गुणा से भी अधिक है, ऐसे में एमडीएम इंचार्ज कैसे बेपटरी व्यवस्था को पटरी पर लेकर आए।

### हरियाणा एगो इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन को सूखे राशन की जिम्मेदारी

सरकार ने सभी प्राइमरी व माध्यमिक स्कूलों में सूखा राशन उपलब्ध करवाने के लिए हरियाणा एगो इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लिमिटेड से तालमेल बैठका है, जो स्कूलों में चना, सोया, राजमा, बेशम, गुड़, रागी आटा, संफेद चना, दालें, मूंगाफली, तेल एवं मिर्र मसाले उपलब्ध करवाएगी। सरकार इसकी एवज में प्राइमरी स्तर के प्रति विद्यार्थी तीन रुपये 94 पैसे व माध्यमिक स्तर के प्रति विद्यार्थी छह रुपये 49 पैसे देगी। अब मिड डे मिल योजना के तहत स्कूलों में सूखा राशन करवाने व एमडीएम इंचार्जों द्वारा बनाकर तैयार करने का विभाजन होने पर एमडीएम इंचार्जों के पसीने छूटने लगे हैं।



### प्राइमरी स्तर के लिए 2.84 और माध्यमिक के 3.68 दिए जा रहे

मिड डे मिल योजना के तहत सरकार द्वारा स्कूलों में एमडीएम इंचार्जों को प्राइमरी स्तर के प्रति विद्यार्थी 2 रुपये 84 पैसे और माध्यमिक स्तर के प्रति विद्यार्थी तीन रुपये 68 पैसे दिए जाते हैं, जिसमें प्राइमरी स्तर के एमडीएम इंचार्ज को प्रति विद्यार्थी एक रुपया एक पैसा गैस सिलेंडर खर्च, एक रुपया चार पैसे दूध एवं दही खर्च, 52 पैसे सब्जियां, 15 पैसे गेहूँ पिसाई व 12 पैसे बर्तन बार खर्च का मिलता है, वहीं माध्यमिक स्तर के लिए प्रति विद्यार्थी एक रुपया एक पैसा गैस सिलेंडर खर्च, एक रुपया चार पैसे दूध एवं दही खर्च, एक रुपया 36 पैसे सब्जियों, 15 पैसे गेहूँ पिसाई खर्च और 12 पैसे बर्तन बार खर्च के लिए जाते हैं।

### सोमवार से शनिवार तक मध्यांतर भोजन योजना का चार्ट

एमडीएम चार्ट में सोमवार को विद्यार्थियों को रोटी व गौसमी सब्जी दाल/सोयाबीन, मंगलवार को दाल-चावल व सब्जी, बुधवार को तहरी चावल-दाल-सब्जी का मिश्रण एवं प्रति विद्यार्थी 150 मिलीग्राम उबला हुआ गर्म दूध, गुरुवार को रोटी, दाल व सब्जी, शुक्रवार को तहरी या दाल-चावल एवं सोयाबीन, शनिवार को खिचड़ी दाल-चावल-सब्जी, चोखा या गौसमी फल खिलाना शामिल है। वहीं प्राथमिक स्तर विद्यार्थी को 100 ग्राम अनाज, 20 ग्राम दाल, 5 ग्राम तेल एवं 50 ग्राम सब्जियां तथा माध्यमिक स्तर 150 ग्राम अनाज, 30 ग्राम दाल, 7.5 ग्राम तेल एवं 75 ग्राम सब्जियां खिलाने के सरकार के निर्देश हैं।

### शिक्षक को पढ़ाने तक सीमित रखें, एमडीएम से मिले मुक्ति

शिक्षक का काम बच्चों को पढ़ाना एवं शिक्षित करना है, उसे कभी एमडीएम, कभी सर्वे, कभी जनगणना जैसी योजनाओं में जान-बूझकर फंसाया जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। सरकार को मिड डे मिल योजना काफ़ी अच्छी है, लेकिन संचालन सही ढंग से नहीं हो रहा। शिक्षकों को एमडीएम से मुक्त किया जाना चाहिए, क्योंकि शिक्षक का काम पढ़ाना है। सरकार को बनवाने एवं वारंटिटी की जिम्मेदारी किसी और को देनी चाहिए, जिससे बेरोजगारों को रोजगार मिल सके। वहीं शिक्षक बच्चों को खाना बंटवाने एवं खिलाने में नट कर सकते हैं। दूसरी ओर एचएआईसीएल द्वारा स्कूलों में सूखी खाद्य सामग्री भेजने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो काफी निम्न स्तर की है, जिससे बच्चों का पोषण कुपोषण में बदल सकता है।

- भूपेंद्र चाहर, जिला प्रधान, राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ, भिवानी

### शिक्षकों एवं यूनिजन की शिकायत अफसरों को भेजी

मिड डे मिल योजना के अंतर्गत स्कूलों में सूखी खाद्य सामग्री भेजने की जिम्मेदारी सरकार ने हरियाणा एगो इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लिमिटेड को सौंपी है, जिसको लेकर शिक्षकों व शिक्षक यूनिजन ने खाद्य सामग्री निम्न स्तर की होने की शिकायत भेजे की है। नैने इस संबंध में उच्चाधिकारियों को शिकायत भेज दी है, जैसे उच्चाधिकारियों के दिशा निर्देश होने कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

- विनय कुमार मिटल, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, भिवानी

### लेक्चरर से मारपीट के मामले में तीन आरोपी किए गिरफ्तार



हरिभूमि न्यूज ॥ भिवानी

#### 21 अप्रैल को ड्यूटी के दौरान की थी मारपीट

थाना शहर भिवानी पुलिस ने गवर्नमेंट कॉलेज भिवानी में ड्यूटी के दौरान लेक्चरर के साथ मारपीट करने एवं सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता लेक्चरर संदीप निवासी गांव ढाणा नौरंगाबाद ने थाना शहर भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई कि वह गवर्नमेंट कॉलेज भिवानी में लेक्चरर के पद पर कार्यरत हैं। 21 अप्रैल को ड्यूटी के दौरान तीन युवक कॉलेज परिसर में आए और स्वयं को बाहरी व्यक्ति बताकर उनसे पूछताछ करने

लगे। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया तथा मारपीट की। साथ ही एक अन्य लेक्चरर के साथ भी मारपीट की गई। थाना शहर भिवानी में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक सुशील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 26 अप्रैल को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सिकंदर पुत्र जगविंदर निवासी गांव मिताथल, रविंद्र पुत्र राममेहर निवासी गांव धनाना तथा सोमबीर पुत्र शेर सिंह निवासी गांव धनाना-1 के रूप में हुई है।

## निजी बस में लगी भीषण आग, दो शव मिले, पहचान नहीं

हरिभूमि न्यूज ॥ भिवानी

भिवानी-हांसी रोड़ स्थित मिलकपुर गांव के सरकारी स्कूल के सामने सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे चलती एक सहकारी समिति की बस में धमाके के बाद आग लग गई। जिससे पूरी बस जलकर राख हो गई। सूचना मिलने पर हांसी दमकल केंद्र की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंच बस में लगी आग पर काबू पाया। परंतु जब तक दमकल कर्मी बस में लगी आग पर काबू पाते तब तक पूरी बस जलकर राख हो चुकी थी। बस में लगी आग पर काबू पाए जाने के उपरांत दो शव बरामद हुए हैं लेकिन खबर लिखे जाने तक शवों की पहचान नहीं हो पाई थी। सूचना मिलने पर बवानीखेड़ा थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु नागरिक



अस्पताल पहुंचाया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार निजी परिवहन समिति के एक बस सोमवार शाम को भिवानी से हांसी की ओर आ रही थी और जैसे



ही बस मिलकपुर स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल के समीप पहुंची तो अचानक से चलती बस में तेज धमाका हुआ और धमाके के बाद उसमें आग लग गई।

### मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने यात्रियों को निकाला बाहर

बस में धमाके की आवाज सुनकर बस स्टैंड व आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंच बस सवार यात्रियों को बस से बाहर निकाल उपचार हेतु हांसी नागरिक अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस में चालक परिचालक 20-25 यात्री सवार थे और बस में धमाके व आग लगने से सभी यात्रियों में कोतूहल मच और बस में सवार अधिकांश सवारियों को चोट आई है। आस-पास के लोगों सभी घायलों का बस से निकाला निजी वाहनों से उचारा हेतु नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों द्वारा घायलों का उपचार किया जा रहा। खबर लिखे जाने तक बस धमाका होने की वजह का खुलासा नहीं हो पाया है।

## पंसारी की दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

हरिभूमि न्यूज ॥ तोशाम

रविवार देर रात्रि तोशाम के मैन चौक में स्थित पंसारी की दो मंजिला दुकान में आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि दुकान की दोनों छत आग की तपन से गिर गई जिससे दुकानदार को बिल्डिंग सहित लाखों का नुकसान हुआ है। अग्निशमन विभाग की चार दमकल गाड़ियों ने घंटों की मशकत के बाद काबू पाया।

उल्लेखनीय है कि रविवार देर रात्रि करीबन साढ़े 10 बजे तोशाम के मैन चौक में स्थित जगदीश पंसारी की दो मंजिला दुकान की छत पर आसपास के लोगों को आग लगती हुई दिखाई दी। इसकी सूचना उन्होंने दुकान मालिक तथा पुलिस व अग्निशमन विभाग को दी। देखते ही देखते घटनास्थल पर सैकड़ों स्थानीय निवासी



एकत्रित हो गईं और सूचना पर पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंचा। लेकिन आगजनी की घटना दूसरी मंजिल पर होने की वजह से स्थानीय निवासी कुछ नहीं कर पाए। अकस्मात दमकल गाड़ी ने भी आने में देरी कर दी और भिवानी से तोशाम घटना के करीबन डेढ़ घंटे पश्चात

दमकल गाड़ी पहुंची। यदि अग्निशमन विभाग की दमकल गाड़ी समय पर तोशाम में उपलब्ध होती तो शायद दुकानदार का यह नुकसान होने से काफी बचाव हो सकता था। सोमवार सुबह घटनास्थल पर हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंगदास गर्ग, व्यापार मंडल तोशाम के प्रधान जोगेंद्र मलिक, भाजपा नेता हरि सिंह सांगवान, तोशाम के एसडीएम संदीप कुमार, तोशाम के नायब तहसीलदार अशोक कुमार आदि पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा पीड़ित दुकानदार से घटना के बारे जानकारी ली। दुकानदार बजरंग पंसारी ने बताया कि आगजनी की इस दुखद घटना से दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने प्रशासन तथा सरकार से मुआवजे की मांग की है।

### बिजली पेंशनर्ज की मासिक बैठक एक मई को होगी

हरिभूमि न्यूज ॥ भिवानी

हरियाणा बिजली पेंशनर्ज वेलफेयर एसोसिएशन की जिला स्तरीय मासिक बैठक 1 मई को प्रातः 10 बजे सबरबन डिब्बोजन कार्यकारी अभियंता के प्रांगण में जिला प्रधान बालमुकुंद बापोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए एसोसिएशन के जिला महासचिव आरके चावला ने बताया कि बैठक में जो पेंशनर्ज 70 वर्ष के हो चुके हैं वे एलटीसी के लिए आवेदन कर सकते हैं वे अपने सभी दस्तावेज साथ लेकर आएंगे। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान आंखों की जांच शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। शिविर में पेंशनर्ज व उनके परिजनों की आंखों की जांच की जाएगी।

## परम संत कंवर साहेब ने प्रवचनों से किया निहाल किस्मत का दोष नहीं-जीवन की दिशा तय करते हैं कर्म

हरिभूमि न्यूज ॥ भिवानी

भिवानी राधा स्वामी दिनेद परम संत कंवर महाराज ने कहा कि मनुष्य के जीवन का सबसे पहला सुख निरोगी काया है। यदि शरीर में पीड़ा हो, तो मन बार-बार उसी दुःख का चिंतन करता रहता है। इसलिए हमारा चिंतन सदैव अच्छा और पवित्र हो।

राधा स्वामी दिनेद परम संत कंवर साहेब (राधा स्वामी सत्संग दिनेद) 24 अप्रैल से नेपाल व उत्तर-पूर्व भारत की दस दिवसीय सत्संग यात्रा पर हैं। आज लगातार चौथे दिन की सत्संग यात्रा के दौरान धुलाबारी, दार्जिलिंग, जोरथांग, गंगटोक व सिलीगुड़ी आश्रम में सत्संग आयोजित हो



धुलाबारी, दार्जिलिंग, जोरथांग, गंगटोक व सिलीगुड़ी आश्रम में किया सत्संग

रहे हैं। कल जोरथांग शाखा में हजूर महाराज ने यह ऊपर वर्णित सत्संग फरमाया। शारीरिक कष्ट होता है, तो वह सोचने लगता है "मैं ऐसा क्यों हूँ, मेरे साथ ही ऐसा क्यों हो रहा है," परंतु संत कबीर दास समझाते हैं कि इसके लिए किसी को दोष नहीं देना

चाहिए; यह सब हमारे अपने कर्मों का ही परिणाम है।

जैसे एक ही मूँ के गर्भ से जन्मे बच्चों का जीवन एक जैसा नहीं होता कोई धनी बन जाता है, कोई साधारण जीवन तो कोई जीवन भर कष्ट झेलता है। इन परिस्थितियों

### तीन प्रकार के होते हैं कर्म- कर्म, प्रारब्ध और संचित

परम संत कंवर महाराज ने कहा कि कर्म तीन प्रकार के होते हैं वर्तमान कर्म, प्रारब्ध कर्म और संचित कर्म। संचित कर्म वे हैं जो पिछले जन्मों में इकट्ठे होते गए, परंतु जिनका फल अभी तक नहीं भोगा गया; जैसे बैक का जमा हुआ बलेंस जो की हर साल फॉरवर्ड हो जाता है। प्रारब्ध कर्म वह है, जिसे हम वर्तमान में भोग रहे हैं; जैसे बैक से निकालकर खर्च किया जाने वाला धना। और वर्तमान कर्म वे हैं, जो हम इस समय कर रहे हैं और जो भविष्य को निर्धारित करते हैं, जैसे की बैक में एफडी जमा करा लेना। जिसने इस संसार में जन्म लिया है, उसे कर्म करना ही पड़ेगा। इसलिए यदि कर्म करना ही है, तो अच्छे और नेक कर्म करें। जो मनुष्य अच्छे कर्म करता है, उसे उत्तम जीवन, सुख-सुविधाएं प्राप्त होती हैं। और यदि उसके कर्म और भी श्रेष्ठ हों, तो उसे गुरु का संग, भक्ति और सत्संग का सौभाग्य प्राप्त होता है। सतगुरु की शिक्षा है कि यदि कोई आपके द्वार पर सहायता मांगने आए और आप समर्थ हों, तो उसे अवश्य सहायता दें। परंतु दान करते समय पात्रता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। यदि हमारा दिया हुआ दान किसी के द्वारा गलत तरीके जैसे नशा या अन्य पाप कर्म में उपयोग किया जाता है, तो उसके पाप का भाग हमें भी मुगलना पड़ता है।

का निर्माण किसने किया? यह सब प्रारब्ध कर्मों का फल है, जिसके अनुसार परमात्मा हमें कर्म भोगने के लिए इस संसार में भेजता है।

**D.A.V. CENTENARY PUBLIC SCHOOL**  
KAUNT ROAD, BHIWANI (HR)

(Managed by DAVCMC, New Delhi) Affiliated to CBSE upto 10+2  
Website : www.davbhiwani.org Email : dav\_bhiwani@rediffmail.com  
Ph.No. : 9254230570

**RECRUITMENT FOR SESSION 2026-27**

Applications are invited from DAV CBT qualified candidates with Provisional Eligibility Card on purely adhoc/contractual basis for the following posts:

- **Nursery/Pre-Primary Teachers**
- **P.R.T. - Hindi, S.S., English, Physical Education (Female)**
- **T.G.T. - S.S. Sanskrit, Computer**
- **P.G.T. - Physics, Chemistry, Maths, Commerce, Biology, Geography, Music**
- **Ministerial Staff- LDC (Accounts), Receptionist and Library Assistant**

Final selection will be made on the basis of Demonstration & Subject/ Panel Interview held at the respective schools, subject to verification of P.E.C.

- Only DAV CBT qualified candidates are eligible.
- Fluency in spoken English is essential for all teaching posts.
- Handsome salary for deserving candidates.
- Application forms are available at school's reception (Cost Rs.100/-) and on school's website: www.davbhiwani.org

Submit your detailed resume with coloured photograph & P.E.C. at school's reception personally up to 5th May, 2026. Bring original documents for verification at the time of interview.

**PRINCIPAL**



कवर स्टोरी

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार



जन्म लिया बच्चा जो बोल नहीं पाता, वह मुस्कुराता है, हंसता है, इसी के जरिए दुनिया से अपना पहला रिश्ता बनाता है। शायद इसी कारण हंसी मात्र एक भाव नहीं, संवाद का एक खूबसूरत जरिया भी है। एक समय था, जब रिश्तों के भीतर हंसी-ठिठोली किसी जीवंत तंतु की तरह फैली रहती थी, जो उन्हें भीतर से जोड़ रखती थी। ऐसा भी नहीं है तब कामों की थकान और शिकायतें नहीं होती थीं, लेकिन इन सब पर भारी पड़ती थी-हंसी। यही हंसी, थके शरीर को एक राहत देती थी।

**हंसी के लिए नहीं चाहिए होता था खास मौका**

पहले के समय में हंसी किसी खास मौके की मोहताज नहीं होती थी, वह तो रोजमर्रा की गतिविधियों में घुली-मिली रहती थी। हंसी एक ऐसा संवाद होता था, जिसमें चलते-फिरते सब शामिल हो जाते थे-छोटा, बड़ा, बुढ़ा और जवान। हर किसी के पास हंसी का अपना एक किस्सा, एक अंदाज होता था। घर के आंगन में चार ओरतें बैठीं नहीं कि बातें शुरू, इन बातों के बीच हंसी अपने आप जन्म ले लेती थी। दो लोगों को हंसते देख कर स्वयं भी हंसी का फन्वारा फूट पड़ता, पता ही नहीं चलता था। इस तरह हंसी हमें आपस में जोड़ती थी।

**हंसी रिश्तों में घोलती थी गिटास**

देवर-भाभी का रिश्ता तो जैसे हंसी का सबसे प्यारा संग-साथ होता था। नई बहू घर में आती, तो देवरों की शरारतें शुरू हो जातीं-कोई रास्ता रोक लेता, कोई नाम बिगाड़ देता, कभी खुद ही ऐसी बात कह बैठते कि भाभी ही नहीं, दादी, मां और बहनें भी हंसी में शामिल हो जातीं। भाभी भी कम नहीं होतीं-एक ही

पंक्ति में ऐसा जवाब देती कि घर-आंगन ठहाकों से गूँज उठता। इसमें कोई मर्यादा नहीं टूटती थी- एक ऐसा अपनापन होता था, जो धीरे-धीरे रिश्तों को खोल देता था। सबसे खास बात यह होती थी कि उस समय कोई अकेला नहीं होता था। अगर किसी का चेहरा बुझा-बुझा सा दिख जाए, तो उसे यूँ ही नहीं छोड़ दिया जाता। दो-चार ओरतें पास बैठ जातीं और फिर शुरू हो जाती थी हल्की-फुल्की छेड़छाड़, जो धीरे-धीरे हंसी में बदल जाती। बिना समझाए, बिना समझे ही मन हल्का हो जाता था।

**महसूस होता है एक सुकून**

पहले के लोग भले ही ज्यादा पढ़-लिखे नहीं होते थे, लेकिन उन्हें जीने की समझ गहरी हुआ करती थी। उन्हें यह नहीं पता था कि हंसने से शरीर में एंडोर्फिन बनता है या डोपामिन बढ़ता है, लेकिन इतना जरूर जानते थे कि खुलकर हंसने के बाद मन हल्का हो जाता है। आज विज्ञान बताता है कि जब हम हंसते हैं तो शरीर में ऐसे तत्व सक्रिय होते हैं, जो दर्द कम करते हैं, मन को स्थिर रखते हैं और तनाव घटाते हैं। साथ बैठकर हंसने से अपनापन बढ़ता है, भरोसा मजबूत होता है। यही कारण है कि खुलकर हंसने के बाद एक सुकून-सा महसूस होता है।

स्थिर रखते हैं और तनाव घटाते हैं। साथ बैठकर हंसने से अपनापन बढ़ता है, भरोसा मजबूत होता है। यही कारण है कि खुलकर हंसने के बाद एक सुकून-सा महसूस होता है।

**हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक**

आज मनुष्य पहले से ज्यादा सक्षम है, मजबूत है, लेकिन कहीं न कहीं पहले से ज्यादा अकेला भी हो गया है। वह सब कुछ संभाल रहा है, पर किसी से अपने मन की कहने का अवसर



उसे कम मिलता है। ऐसे समय में हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। जरूरत यह नहीं कि हम पुराने समय में लौट जाएं, बल्कि यह है कि हंसी जैसी सरल और सुंदर आदत को फिर से अपने व्यवहार में जगह दें, मिलकर हंसने की आदत डालें। लोगों से संवाद करें। अपनी बात कहें, दूसरों की सुनें और बीच-बीच में खुलकर हंसें भी। रोज नहीं तो हफ्ते में एक दिन ही सही, थोड़ा समय अपनों के लिए निकालें, उनके साथसाथ बैठें, बिना किसी खास वजह के बातें करें। और अगर कोई चुप दिखाई दे, तो उसके पास जाकर बैठें, क्योंकि सच यही है कि सिर्फ बातों से किसी का दुख-तनाव कम नहीं किया जा सकता। कई बार एक सहज, साझा हंसी ही मन का सबसे बड़ा सहारा बन जाती है। हास्य दिवस हमें याद दिलाता है कि हंसी कोई व्यर्थ चीज नहीं है। हंसी में जीवन को हल्का करने की ताकत है, रिश्तों को जोड़ने की ताकत है और मन को संभालने का सबसे सरल उपाय भी यही है।

आइए, हम फिर से अपने जीवन में हंसी के लिए जगह बनाएं। आंगन छोटा हो तो क्या, दिल बड़ा रखें। हम बैठकी सजाएं, ठहाके लगाएं और एक-दूसरे से दिल की कहें, मौज-मस्ती करें, चुहलबाजी करें और हंसते रहें। क्योंकि अंत में हमारे साथ जो रह जाता है, वह केवल हमारी कमाई नहीं होती, बल्कि वह होता है कि हमने अपनी उस कमाई से कितनों के चेहरे पर सच्ची मुस्कान दी है।

## प्यार और परवाह भरे हों छुट्टियों के दिन

समर वैकेशन का समय बच्चों के लिए दिन भर की व्यस्तता वाली नियमित दिनचर्या से भले अलग हो, लेकिन इस समय का सदुपयोग जरूरी है। इसके लिए एक प्लानिंग बना ली जानी चाहिए। पैरेंट्स और बच्चे मिलकर छुट्टियों को प्यार और परवाह भरे दिन बनाएं।

**बच्चे और आप**  
**डॉ. मोनिका शर्मा**

साल भर बाद आने वाली छुट्टियों यानी समर वैकेशन का समय सीमित ही होता है। यही दिन कहीं जाने या किसी के अपने घर आने के दिन भी होते हैं। इसीलिए सही प्लानिंग बनाकर बच्चों की रुचि के मुताबिक कुछ एक्टिविटीज से जुड़ने की राह चुनना जरूरी है। असल में छुट्टियों के सही उपयोग और नियोजन के लिए पहले दिन से ही कुछ बातें तय कर लेना जरूरी है। समर क्लासेस की ज्वाइनिंग से लेकर अपने रूम को ऑर्गनाइज्ड करने और हम उम्र साथियों के खेलने-कूदने के साथ ही परिवार संग वक्त बिताने के सहज से गैडजट्स को इस प्लानिंग का हिस्सा बनाएं। बीते एकेडमिक इयर या आने वाली क्लास के मुताबिक कोई होमवर्क दिया गया हो तो उसे पूरा करने को लेकर भी टाइम टेबल बनाना चाहिए।

**समझें समर क्लास की उपयोगिता:** गर्मियों की छुट्टियों में समर कैंप या क्लासेस भी बच्चों के लिए कुछ नया सीखने-समझने का अच्छा अवसर होते हैं। इस समय बच्चे अपनी हॉबी या रिक्रियेशन निखारने के लिए कोई कोर्स कर सकते हैं। इन रिक्रियेशन के क्लासरूम में बच्चों पर अच्छा परफॉर्म करने का कोई मानसिक दबाव नहीं होता। प्रतियोगिता से दूर सहज माहौल में बच्चे कुछ नया सीखते हैं। समर क्लासेस बच्चों को क्रिएटिव मोचें पर मन का करने का अवसर देते हैं। हॉबी क्लासेस में बच्चे रचनात्मक रूप से बहुत सक्रिय रहते हैं। असल में समर क्लासेस में बच्चे अपने ही आस-पास की अनदेखी-अनजानी दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। गिनती के दिनों के ये क्लासरूम बच्चों की क्षमता और प्रतिभा को रचनात्मकता का प्यारा केनवास देते हैं। जिस पर बच्चे बिना किसी तनाव के अपनी मर्जी के रंग भरते हैं।

**बच्चों के लिए चुनें सही कोर्स:** सभी पैरेंट्स सोचते हैं कि गर्मी की छुट्टी में बच्चों को क्या ऐसा कोर्स कराएं कि अवकाश के दिनों में भी उनका समुचित विकास हो। जरूरी यह है कि पैरेंट्स की इच्छा से बच्चों के रुचि-रुझान की भी मेल हो। इन दिनों क्रिकेट, स्केटिंग, योग, कसरत, डांस, म्यूजिक, स्केचिंग, पेंटिंग, स्टोरी टेलिंग और पब्लिक स्पीकिंग जैसी कई तरह की



क्लास चलती हैं, पर कोई भी कोर्स नहीं चुना जा सकता। ना ही हर कोर्स, हर बच्चे के लिए सही होता है। इसीलिए घर के छोटे सदस्यों की रुचि और उम्र के अनुसार ही कोर्स का चयन करना आवश्यक है। इस मोचें पर पैरेंट्स अपनी पसंद बिलकुल भी न थोपें। छुट्टियां खुशियों का ही समय होता है। बिना किसी के दबाव के कलात्मक गतिविधियां करने से डोपामाइन हार्मोन बढ़ता है। यह हार्मोन बच्चों को खुशी और शांत मन की सौगात देता है। प्रसन्न और पॉजिटिव माइंडसेट से किए गए ऐसे शॉर्ट-टर्म कोर्स कई बार

जिंदगी भर के लिए बच्चों के शौक की बुनियाद बना देते हैं।

**घर में भी रचनात्मक गतिविधियां:** समर क्लास या समर कैंप न जाने वाले बच्चे घर में भी क्रिएटिव छुट्टियां बिता सकते हैं। समर वैकेशन में आस-पड़ोस के बच्चे मिल-

जुलकर कुछ नया सीख सकते हैं। कुछ एक्टिविटीज में तो पैरेंट्स भी शामिल हो सकते हैं। बच्चों के साथ पैरेंट्स कोई नई रेसिपी बना सकते हैं। इससे बच्चे घर और रसोई के छोटे-छोटे काम करना सीखेंगे। घर में पैरेंट्स के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए बच्चे घर और अपना काम सफा रखने और चीजों को सही जगह पर जंचने का पाठ भी पढ़ सकते हैं। फुर्सत के पलों में सहज अंदाज में दिए गए अभिभावकों के दिशा-निर्देश बच्चों को बोझ भी नहीं लगते। इतना ही नहीं बच्चे ऑनलाइन क्लासेस के जरिए भी कोई नई भाषा सीख सकते हैं। तकनीकी फील्ड में रुचि हो तो कोडिंग, रोबोटिक्स या डिजिटल आर्ट के क्लास ले सकते हैं। सुबह-शाम बच्चों के साथ इंडोर गैम खेलने के लिए समय निकालना भी फुर्सत में कुछ पल बिताने का बहुत प्यारा तरीका है।

**एडवाइस**  
**ललिता गोवाल**

आज के दौर में बहुत सी महिलाएं वर्किंग हैं। ऑफिस में वर्क प्रेशर के अलावा तरह-तरह के स्ट्रेस का सामना भी उन्हें करना पड़ता है। कुलींग और बॉस का नेचर, ऑफिस का माहौल, कंपनी पॉलिसीज, जेंडर भेदभाव, उचित सेलरी न मिलना, पर्सनल सेप्टी की चिंता जैसी कई चुनौतियों का सामना वे करती हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन के मुताबिक वर्कप्लेस पर पुरुषों के मुकाबले में महिलाओं में बर्नआउट यानी मानसिक और शारीरिक थकान के मामले ज्यादा देखने को मिलते हैं। ऑफिस प्रॉब्लम्स से निपटने के लिए एक क्लोथर विजन और कॉन्फिडेंस की जरूरत होती है। जानिए, वर्किंग महिलाएं ऑफिस से जुड़ी समस्याओं को कैसे करें हंडल? **मल्टीटास्किंग से बचें:** एक समय में एक ही काम पर ध्यान केंद्रित करें, इससे गलतियां कम होती हैं। अगर आपके पास पहले से ही बहुत काम है, तो अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से बचें। अपनी जिम्मेदारियों और चुनौतियों के बारे में अपने मैनेजर या एचओडी से बात करें। संभव हो तो प्लेजिंगबल वर्किंग ऑवर या वर्क प्रॉमिशन से बचें। **जेंडर भेदभाव:** कई बार वर्कप्लेस पर गलत धारणाएं बना ली जाती हैं कि महिलाएं देर तक नहीं

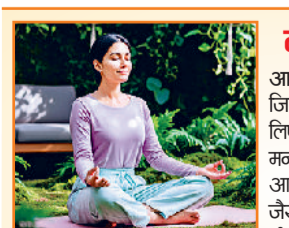
वर्किंग वूमन के लिए घर के साथ वर्कप्लेस की जिम्मेदारियां निगाना आसान नहीं होता है। वहां भी उन्हें कई तरह के चैलेंजस और प्रॉब्लम्स को फेस करना पड़ता है। ऐसे में परेशान होने के बजाय आपको उन्हें हंडल करने का तरीका सीखना चाहिए।

## वर्कप्लेस चैलेंजस-प्रॉब्लम्स को वर्किंग वूमन ऐसे करें फेस

रुक सकतीं या शादी-मां बनने के बाद वे काम को लेकर कंसटेंट नहीं कर पाती हैं। इसे 'ग्लॉस सीलिंग' भी कहते हैं, जहां योग्यता के बावजूद अपने प्रमोशन या उचित इंक्रीमेंट नहीं मिलता है। इस समस्या से निपटने के लिए अपनी उपलब्धियों को डेटा और रिजल्ट्स के साथ पेश करें। कॉन्फिडेंट होकर अपनी बातें रखें। **वर्कप्लेस सेप्टी:** ऑफिस में देर शाम तक काम के दौरान या फील्ड वर्क के दौरान सुरक्षा की चिंता, लगभग सभी वर्किंग वूमन को होती है। इसके अलावा कई बार मेंटल टॉर्चर या हैरिसमेंट का भी उनको सामना करना पड़ता है। ऐसे में अपनी-अपनी की पॉलिसी के बारे में जागरूक रहें। किसी भी गलत व्यवहार को शुरुआत में ही टोकें। किसी भी तरह के भेदभाव या असुरक्षित व्यवहार को अनदेखा न



करें और शिकायत दर्ज करने में जरा भी संकोच न करें। **वर्क प्रेशर:** ऑफिस में पहले उन कामों को करें, जो ज्यादा जरूरी हैं। इसके अलावा गैरजरूरी काम या दूसरों के काम खुद न करें। अपने रोल के हिसाब से अपने कार्यों की पूरी लिस्ट बनाएं और इसके बाद इन्हें प्रायोरिटी के हिसाब से सेट कर लें। खुद को कभी भी ओवर वर्कलोडेड न रखें। हर काम को परफेक्ट बनाने की कोशिश कई बार तनाव बढ़ा देती है। इसलिए खुद से बहुत ज्यादा उम्मीद न रखें। अगर कभी कोई काम समय पर नहीं हो पाता या परफेक्ट नहीं हो पाता तो खुद को दोष देने की बजाय अगले दिन उसे बेहतर तरीके से करें। **सीमाएं निर्धारित करें:** ऑफिस टाइम के बाद बहुत इंपॉर्टेंट न होने पर कॉल्स या ई-मेल्स चेक करने से बचें। काम की लिस्ट बनाकर, उन्हें ऑफिस टाइम में ही पूरा करें। अगर आप ऐसा करती हैं तो दिन के आखिर में आपके सारे काम पूरे हो जाएंगे, जिससे फील गुड होगा। **(मनोवैज्ञानिक मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)**



**मन को ऐसे रखें रिलैक्स**  
आप अपने ऑफिस और घर दोनों की जिम्मेदारियां अच्छी तरह निभाएं, इसके लिए जरूरी है कि खुद को रिलैक्स रखें और मन को शांत रखें। मन शांत रखने के लिए आप डेली कुछ मिनेट तक योगा, मेडिटेशन जैसी एक्टिविटी कर सकती हैं। एक्सरसाइज भी मन को शांत रखने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। जब आप दिन की शुरुआत योगा या मेडिटेशन से करती हैं तो पूरा दिन एनर्जेटिक और हैप्पी फील होता है। इससे दिन भर आप वर्क प्रेशर को आसानी से संभाल सकती हैं। इसके साथ ही स्ट्रेस और थकान से बचने के लिए लगातार काम करने के बजाय छोटे-छोटे ब्रेक लेती रहें।

**थेरेपी**  
**डॉ. गौरव गुप्ता**

सीनियर साइकोलॉजिस्ट-सीडीओ  
तुलसी हेल्थकेयर, गुरुग्राम

गर्भावस्था हर महिला के जीवन का सबसे खास लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर भी होता है। इस दौरान उनके शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव, शारीरिक असामान्यता और कई तरह की चिंताएं, महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। इस वजह से प्रेगनेंसी का दौर कुछ महिलाओं को मुश्किलों भरा लगने लगता है। ऐसे में गर्भवती महिला के मानसिक स्वास्थ्य और बच्चे की ग्रोथ पर इसका बहुत बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में लाफ्टर थेरेपी यानी हंसी को अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बनाना, मां और बच्चे दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है। आइए जानते हैं लाफ्टर थेरेपी और इससे होने वाले फायदों के बारे में। **लाफ्टर थेरेपी क्या है:** लाफ्टर थेरेपी एक नेचुरल हीलिंग तकनीक है, जिसमें हंसी के माध्यम से तनाव को कम किया जाता है। यह शरीर में एंडोर्फिन (हैपी हार्मोन) के स्तर को बढ़ाती है और कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) के स्तर को घटाती है। **लाफ्टर थेरेपी के फायदे:** तनाव और चिंता में कमी गर्भावस्था में मानसिक तनाव आम



बात है। हंसी से दिमाग में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे मूड बेहतर होता है और चिंता का स्तर कम होता है। **नींद में सुधार:** हंसी से शरीर रिलैक्स होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है।

प्रेगनेट महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से हेल्दी रहने के लिए कई उपाय आजमाती हैं। इसमें लाफ्टर थेरेपी भी बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसके वया फायदे हैं और इसे कैसे करना चाहिए, जानिए।

## प्रेगनेट महिलाओं के लिए फायदेमंद है लाफ्टर थेरेपी

यह गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी है। **इम्यूनिटी बूस्टर:** लाफ्टर थेरेपी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है। इससे संक्रमण या मौसमी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। **हार्मोनल बैलेंस में मदद:** हंसी हार्मोनल उतार और चढ़ाव को संतुलित करने में सहायक होती है, जिससे मूड स्विंग्स नियंत्रित रहते हैं। **डिलीवरी के लिए तैयारी:** हंसने से फेफड़े

और पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे श्वसन और रक्त संचार बेहतर होता है। यह डिलीवरी के समय सहनशक्ति बढ़ाने में मदद करता है। **शिशु पर सकारात्मक असर:** मां के हंसने से गर्भ में पल रहे शिशु तक मां की सकारात्मक भावनाएं पहुंचती हैं। खुश मां का संतुलित करने में सहायक होती है, जिससे मूड स्विंग्स नियंत्रित रहते हैं। **डिलीवरी के लिए तैयारी:** हंसने से फेफड़े



**तब जरूर करें डॉक्टर से कंसल्ट**

लाफ्टर थेरेपी, प्रेगनेंसी के दौरान दवावहिन और पूरी तरह सुरक्षित उपाय है। यह मां के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर शिशु के स्वस्थ विकास में मदद करती है। हालांकि अगर गर्भावस्था में किसी प्रकार की मेडिकल जटिलता हो तो डॉक्टर की सलाह लेकर ही इस थेरेपी को अपनाया चाहिए।

**स्किन केयर**  
**शबानाज हुसैन, ऑलकोटोर्नालिसट**

गुलाब जल का इस्तेमाल सुंदरता निखारने में सदियों से किया जा रहा है। शायद यही वजह है कि जब स्किन केयर की बात आती है तो गुलाब जल का नाम भी आता है। यह आपको त्वचा और चेहरे को ठंडक प्रदान करता है, जबकि इसकी खुशबू आपको तरोताजा रखती है और मूड को बेहतर बनाती है। गर्मियों में गुलाब जल त्वचा के लिए एक नेचुरल टोनर, क्लींजर और हाइड्रेटर की तरह काम करता है। यह त्वचा को ठंडक, नमी और निखार देता है, साथ ही पीएच स्तर को संतुलित रखता है। यह टैनिंग, सनबर्न, मुंहासों और अतिरिक्त तेल को कम करने में बेहद प्रभावी है। इसे स्प्रे, टोनर या फेस पैक के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। **गुलाब जल स्प्रे:** एंटीऑक्सीडेंट और

## गर्मी के मौसम में स्किन केयर गुलाब जल है बहुत कारगर



एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर गुलाब जल गर्मियों की तेज धूप से स्किन को सुरक्षित रखता है। गर्मियों में रूखी, बेजान चेहरे की त्वचा को तरोताजा रखने के लिए गुलाब जल को फेस मिस्ट के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसे एक बोटल में रखकर चेहरे पर स्प्रे कर सकती हैं। इसे पूरी तरह सोखने दें। अगर आप कील, मुंहासों और दाग-धब्बों से परेशान हैं तो आप रात को सोने से पहले कौटन बॉल की मदद से गुलाब जल लगाएं

और इसे रात भर लगा रहने दें। आप इसे चेहरे पर सीधे भी स्प्रे कर सकती हैं या गुलाब जल को आइस ट्रे में जमा लें और इन आइस क्यूब को चेहरे पर हल्के-हल्के हाथों से मसाज करें। इससे तपती धूप में ठंडक मिलेगी और चेहरे पर ग्लो दिखेगा। गर्मियों के दिनों में ऑयली स्किन पर पिंपल सफाई का उपाय-पास जल के उपयोग से आंखों के आस-पास डार्क सर्कल को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आप प्रभावित क्षेत्र में रूई की मदद से गुलाब जल लगाएं, जिससे त्वचा में नमी बढ़ेगी और डार्क सर्कल धीरे-धीरे कम होंगे। डार्क सर्कल के लिए गुलाब जल और उंडे दूध को अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को कौटन बॉल की मदद से आहिस्ता-आहिस्ता आंखों को नीचे लगाकर आधे घंटे बाद ताजे पानी से धो डालें। इसे सप्ताह में तीन बार आप यूज कर सकती हैं। **फेस पैक:** पुदीने और गुलाब जल का पैक त्वचा को मुलायम बनाने में सहायक होता है। पुदीने के रस में एक चम्मच शहद और थोड़ा सा गुलाब जल मिलकर बने पैक को चेहरे पर कुछ देर तक लगाने के बाद ताजे पानी से धो डालें।

दों पूरी तरह सूख जाने के बाद इसे ताजे उंडे पानी से धो डालें।

**डार्क सर्कल:** गुलाब जल के उपयोग से आंखों के आस-पास डार्क सर्कल को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आप प्रभावित क्षेत्र में रूई की मदद से गुलाब जल लगाएं, जिससे त्वचा में नमी बढ़ेगी और डार्क सर्कल धीरे-धीरे कम होंगे। डार्क सर्कल के लिए गुलाब जल और उंडे दूध को अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को कौटन बॉल की मदद से आहिस्ता-आहिस्ता आंखों को नीचे लगाकर आधे घंटे बाद ताजे पानी से धो डालें। इसे सप्ताह में तीन बार आप यूज कर सकती हैं। **फेस पैक:** पुदीने और गुलाब जल का पैक त्वचा को मुलायम बनाने में सहायक होता है। पुदीने के रस में एक चम्मच शहद और थोड़ा सा गुलाब जल मिलकर बने पैक को चेहरे पर कुछ देर तक लगाने के बाद ताजे पानी से धो डालें।

प्रस्तुति: निकिता चौहान



**खबर संक्षेप**

**10 किलोमीटर तक के टोल टैक्स हो फ्री : जेपी**

भिवानी। व्यापार मंडल अध्यक्ष एवं परशुराम सेना अध्यक्ष जेपी कौशिक ने प्रदेश सरकार से मांग करते हुए कहा कि भिवानी शहर से कुछ दूरी पर स्थित नौरंगाबाद टोल टैक्स व बवानीखेड़ा टोल टैक्स पर 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों व कस्बों के लोगों का टोल फ्री किया जाए। उन्होंने विधायक धनश्याम सराफ, विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, सांसद धर्मवीर सिंह व प्रदेश के मुख्यमंत्री नाथन सिंह सैनी से मांग करते हुए कहा कि टोल टैक्स के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी गांवों व कस्बों के लोगों को टोल फ्री किया जाए। उन्होंने कहा कि भिवानी जिला में उद्योग कम है इसलिए यहां के लोगों को रोजगार भी कम मिल रहा है। ऊपर से उन पर टोल लगाकर उन पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर टोल फ्री नहीं किया गया तो वे शहर के व्यापारियों व आम आदमी को लेकर आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

**हालुवास में मनाई संत धन्ना भगत की जयंती**

भिवानी। गांव हालुवास में राष्ट्रीय वीर एकलव्य कल्याण वाहनी द्वारा संत धन्ना भगत जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया। वाहनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. कपूर सिंह लडवाल ने बताया कि संत धन्ना भगत मां के सच्चे भगत थे, हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने के लिए भक्ति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. राजपाल नागर, रणधीर सिंह निदानिया, सुखचैन हालुवास, सुदेश, कृष्णा, सुमन, लक्ष्मी, निर्मला, साक्षी, महेंद्र कौर व कोच बीरू आदि मौजूद रहे।

**हड़ी जांच शिविर में 65 लोगों ने उठाया लाभ**

भिवानी। मानव सेवा के भाव के उद्देश्य के साथ कृष्णा कॉलोनी स्थित डा. विद्या सागर चैरिटेबल अस्पताल में हर माह के आखिरी सोमवार को आयोजित किए जाने वाले हड़ी जांच शिविरों की कड़ी में इस माह आयोजित जांच शिविर में 65 मरीजों की जांच की गई। शिविर का शुभारंभ उद्योगपति नंदलाल बजाज ने रिबन काटकर किया। इस दौरान शिविर में कल्याणी अस्पताल गुरुप्रसन्न से डा. विक्रान्त खन्ना ने अपनी सेवाएं दी तथा मरीजों की जांच की तथा 65 मरीजों ने इस स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

**24 युवाओं ने रक्तदान कर कमाया पुण्य**

भिवानी। ब्लड बैंक में रोटरी क्लब भिवानी डायनटाउन और योगेश शर्मा क्षेत्रीय अध्यक्ष एचडीएफसी बैंक ने संयुक्त रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह कैप योगेश शर्मा के स्वर्गवासी पिता राम अवतार शर्मा की स्मृति में लगाया गया। कैप शिविर का उद्घाटन सेवानिवृत्त परिवार कल्याण अधिकारी डॉ अनूप सिंह यादव ने किया। कैप में 24 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन सुभम दीक्षित और प्रोजेक्ट वेयर रोटेरियन अकिंत जैन द्वारा रक्तदाताओं का समाज सेवा की कार्य में योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि डॉ अनूप सिंह यादव, रोटरी 3090 के पूर्व प्रांतपाल डॉ वी बी दीक्षित, योगेश शर्मा, डॉ बुद्धदेव आर्य ने रक्तदाताओं को ब्रेज लगाकर सम्मानित किया। रक्तदान करने वालों में अशोक, सूरजपाल, प्रमोद, अजय, दीपक संदीप, बिजेन्द्र, राहुल, सोनू आदि शामिल रहे। योगेश शर्मा के अनुसार उनके पिता का निधन ब्लड कैंसर कि वजह से हुआ था।

**हरिभूमि आवश्यक सूचना**  
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-  
**हरिभूमि, शां. नं. 47, इन्फार्मेट ट्रेड मार्केट, मिवानी फोन नं. : 8814999151, 9253681005**

**मृत्यु अंत नहीं है**  
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।  
**हरिभूमि**  
राष्ट्रीय हिन्दी डैनिक  
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।  
**तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश**  
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से  
साईज संस्करण विशेष छूट राशि  
5 X 8 सें. मी स्थानीय संस्करण के छ. 2000/-  
10X 8 सें. मी अन्तर के पृष्ठ पर छ. 2500/-  
+5% GST Extra  
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।  
**अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें**  
मिवानी : हरिभूमि, शां. नं. 47, इन्फार्मेट ट्रेड मार्केट, मिवानी फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

**अधिकारियों के आशवासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने खोला जाम**

**पानी को लेकर किया रोड जाम मटके फोड़कर जताया विरोध**



भिवानी। पानी की मांग को लेकर मटका फोड़ती महिलाएं व पानी की समस्या को लेकर रोड जाम कर रहे प्रदर्शनकारियों को समझाते पुलिस अधिकारी।



भिवानी। गत दिनों पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल द्वारा पशुपालन विभाग को डंगर महकमा कहकर संबोधित करने तथा विभाग में पूर्व में कार्यरत डॉ हरीश वशिष्ठ को डंगर महकमे में मालूम जाधिकारी कहकर लज्जित करने के मामले को लेकर पशु चिकित्सकों ने काले बिल्ले लगाकर काम किया। उनके इस बयान की प्रदेश में निंदा की जा रही है। इस बारे में हरियाणा स्टेट वेटरनरी एसोसिएशन ने नाराजगी जताई है तथा राज्य के सभी पशु चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे जिला स्तर पर काले बिल्ले लगाकर अपने कार्य क्षेत्र में कार्य करें तथा पशुओं का उपचार करें। सोमवार प्रदेश भर में सभी पशु चिकित्सकों ने काले बिल्ले लगाकर अपना रोष प्रकट किया।

**शिकायत के बाद भी नहीं हुआ समाधान**

क्षेत्र के लोगों ने बताया कि हनुमान ढाणी इलाके की कुछ गलियों में पिछले दस दिनों से पानी की सप्लाई नहीं पहुंच पा रही है। जिस वजह से पीने के पानी की विकट समस्या बनी हुई है। उनको मजबूरन पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। वे समस्या को लेकर करीब पांच बार उपयुक्त व पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हो पाया है। गर्मी के मौसम में पीने के पानी की समस्या विकराल रूप धारण करने की वजह से उनको मजबूरन सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। महिलाओं ने बताया कि जिस वक्त चुनाव होते हैं तो हर कोई अनेक वायदें करके उनके वोट हासिल कर लेता है लेकिन उसके बाद उनकी इस तरह की समस्याओं से कोई लेना व देना नहीं होता।

**पाइप लाइन लिकेज होने से बनी समस्या**

अगर पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों की बात पर यकीन किया जाए तो यह समस्या एक माता के मंदिर के नीचे पाइप लाइन लिकेज होने से बनी है। जिस वक्त पानी का प्रेशर छोड़ा जाता है पानी लिकेज से यहीं पर बाहर निकल जाता है। दूसरी तरफ आज जिस वक्त पानी की सप्लाई छोड़ी गई। उसी वक्त बूस्टर की लाइट चली गई। जिस वजह से पानी की सप्लाई ही नहीं चालू हो पाई। पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि जिस वक्त बिजली की सप्लाई शुरू होगी। उसी वक्त पानी की सप्लाई भी दी जाएगी।

**काले बिल्ले लगाकर झूटी टी**

भिवानी। गत दिनों पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल द्वारा पशुपालन विभाग को डंगर महकमा कहकर संबोधित करने तथा विभाग में पूर्व में कार्यरत डॉ हरीश वशिष्ठ को डंगर महकमे में मालूम जाधिकारी कहकर लज्जित करने के मामले को लेकर पशु चिकित्सकों ने काले बिल्ले लगाकर काम किया। उनके इस बयान की प्रदेश में निंदा की जा रही है। इस बारे में हरियाणा स्टेट वेटरनरी एसोसिएशन ने नाराजगी जताई है तथा राज्य के सभी पशु चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे जिला स्तर पर काले बिल्ले लगाकर अपने कार्य क्षेत्र में कार्य करें तथा पशुओं का उपचार करें। सोमवार प्रदेश भर में सभी पशु चिकित्सकों ने काले बिल्ले लगाकर अपना रोष प्रकट किया।

**समाधान शिविर में उठाई पेयजल समस्या**

भिवानी। कौट रोड, मिनी बाईपास, काली माता मंदिर रोड सहित आसपास के क्षेत्र में दिनों-दिन गहराते जल संकट को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता सैनी विचार मंच के राष्ट्रीय संयोजक सुरेश सैनी ने समाधान शिविर में पहुंचकर इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाया और प्रशासन के समक्ष शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि दाना रोड, लक्ष्मी नगर, आनंद नगर और देव नगर क्षेत्रों में लंबे समय से पानी की किल्लत बनी हुई है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर गर्मी के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है तथा लोगों को पीने के पानी तक के लिए संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में जमीन का खारा पानी है। सुरेश सैनी ने कहा कि लक्ष्मी नगर स्थित बूस्टर में पानी की कमी रहने के कारण पूरे क्षेत्र में जल आपूर्ति प्रभावित रहती है।

**पीपीटी के माध्यम से बायोडाटा रिज्यूमे-सीवी का अंतर बताया**

रिज्यूमे मैकिंग एवं जीडीपीआई विषय पर सेमिनार का आयोजन



भिवानी। वैश्य कॉलेज में आयोजित सेमिनार में उपस्थित बच्चे व शिक्षक।

हरिभूमि न्यूज >> मिवानी

वैश्य महाविद्यालय भिवानी के स्वपोषित विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं के लिये महाविद्यालय के मुख्य सभागार में रिज्यूमे मैकिंग एवं जी डी पी आई विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की शुरुआत वैश्य महाविद्यालय भिवानी के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो धीरज त्रिखा व महाविद्यालय के स्वपोषित विभाग की डायरेक्टर डॉ. प्रोमिला सुहाग ने की। सेमिनार में मुख्य काउंसलर के रूप में महाविद्यालय

के स्वपोषित विभाग की डायरेक्टर डॉ. प्रोमिला सुहाग ने विद्यार्थियों को पीपीटी के माध्यम से बायोडाटा, रिज्यूमे व सीवी के अंतर को समझाते हुए रिज्यूमे मैकिंग के बारे में उनके बारीक पहलुओं एवं जी डी पी आई विषय पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यवाहक प्राचार्य प्रो धीरज त्रिखा ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी

**पक्षियों के संरक्षण के लिए सराहनीय पहल**

बहल। भीषण गर्मी के बीच बीआरसीएम ज्ञानकुंज विद्यालय की एनएसएस इकाई ने पक्षियों के संरक्षण के लिए एक सराहनीय पहल की। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी जोगेंद्र सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवकों द्वारा विद्यालय परिसर के पेड़-पौधों पर 60 से अधिक मिट्टी के सकोरे एवं जलहरियां स्थापित की गईं, ताकि गर्मी के दौरान पक्षियों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जा सके। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार झाझरिया एवं उप-प्राचार्या सरस्वती दीक्षित ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि बढ़ती गर्मी के कारण पशु-पक्षियों के समक्ष जल संकट गंभीर होता जा रहा है। प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है कि वह उनके लिए जल की समुचित व्यवस्था करे।

**अमृत सरोवर प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ रहा, सूख रहे हैं पौधे**

प्यास से दम तोड़ रहे पक्षी और झुलस रहे हजारों पौधे, नंगला में पर्यावरण रक्षकों में आक्रोश



भिवानी। बिना सिंचाई के सूखे पेड़ व ज्यादा गर्मी व सिंचाई न होने से टूट बने पौधे।

हरिभूमि न्यूज >> मिवानी

एक तरफ तो जिला प्रशासन पर्यावरण को शुद्ध व स्वच्छ बनाने के लिए जोर दे रहा है वहीं दुसरी तरफ सामाजिक संस्थाएं इस तरफ कदम बढ़ती हैं तो उन्हें कुछ अधिकारी रोक देते हैं। एक ऐसा ही मामला गांव नंगला में देखने को मिला है। गाम-राम समिति और जलाधिकार फाउंडेशन द्वारा दो वर्षों में 700 से 800 पौधे कड़ी मेहनत से तैयार किए गये मिनी ऑक्सिजन

जोन और अमृत सरोवर अब प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ रहा है। ग्रामीणों ने अत्यंत दुखी मन से बताया कि जोहड़ में पानी की अवस्था रुकने से क्षेत्र का जलस्तर

**सरकार अब भी नहीं चेती तो एक व दो मई को पूर्ण काम छोड़ हड़ताल होगी : पुरुषोत्तम**

**नप कर्मचारियों ने दो दिवसीय भूख हड़ताल शुरू**

हरिभूमि न्यूज >> मिवानी

प्रदेश की नगरपालिकाओं, परिषदों और नगर निगमों के कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मांगों खोल दिया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 और 28 अप्रैल को प्रदेश भर में निकाय कार्यालयों के समक्ष दो दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी गई है यह कदम नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा द्वारा सरकार की भेदभावपूर्ण नीतियों के विरोध में उठाया गया है। इसी कड़ी में नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के बैनर तले संघ के प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम दानव के नेतृत्व में स्थानीय नगर परिषद कार्यालय के



भिवानी। 127 बीडब्ल्यूएन:13 : मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे कर्मचारी।

समक्ष क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे। इस दौरान फायर विभाग के प्रांतीय अध्यक्ष राजेंद्र सनधन, राज्य सचिव जयप्रकाश विशेष तौर पर पहुंचे तथा धरने को समर्थन दिया। इस मौके पर नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश

सचिव पुरुषोत्तम दानव ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार और संघ के बीच कई दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं, लेकिन मानी गई मांगों को धरातल पर लागू नहीं किया जा रहा है।

2 दिवसीय क्रमिक अनशन शुरू भिवानी। हरियाणा अतिव्यसन विभाग के कर्मचारियों और सरकार के बीच चल रहा गतिरोध अब और गहरा गया है। हरियाणा अतिव्यसन विभाग कर्मचारी यूनियन की राज्य कमेटी के आह्वान पर पिछले 20 दिनों से जारी हड़ताल ने अब भूख हड़ताल और क्रमिक अनशन का रूप ले लिया है। इसी के चलते प्रदेश भर के 103 फायर स्टेशनों पर कर्मचारी सोमवार से दो दिवसीय अनशन पर बैठ गए हैं। इसी कड़ी में भिवानी में दमकल केंद्र पर धरनातंत्र कर्मचारियों ने भी दो दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की। हरियाणा अतिव्यसन विभाग कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान अजय श्योरान ने कहा कि आंदोलन का मुख्य केंद्र फरीदाबाद अतिव्यसन केंद्र में शहद हारू दो जांबाज कर्मचारियों भावी चंद्र और रणवीर सिंह को न्याय दिलाना है।



**अधिकारी सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ लोगों की समस्याओं का करें उचित निपटारा: डीसी**

चरखी दादरी। समाधान शिविर में प्राप्त हर शिकायत का सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सम्यक् उचित निपटारा करें ताकि नागरिकों को राहत मिल सके। किसी भी व्यक्ति को अलग अलग जगह चक्कर ना काटने पड़े। उपयुक्त डॉ. मुनीश नागपाल के निर्देशों पर सोमवार को जिला परिषद के सीईओ प्रदीप कुमार समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि हर सोमवार व वीरवार को जिला में जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों पर आयोजित किये जा रहे समाधान शिविरों में प्राप्त सभी शिकायतों का निर्धारित अर्थात् उचित निपटारा करवाना सुनिश्चित किया जाये। मुख्यमंत्री श्री नाथन सिंह सैनी के निर्देशानुसार नागरिकों की सभी विभागों से संबंधित शिकायतों का एक छत के नीचे तुरंत निदान करवाने के उद्देश्य से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।



**पिजोखरा व गारनपूरा के किसानों की मौजूदगी में बिजली टावर के रेट के लिफाफे खोले**

तोशाम। एसडीएम संदीप कुमार ने सोमवार को अपने कार्यालय में कंपनी के अधिकारियों, किसानों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में गांव गारनपूरा व पिजोखरा में बिजली टावर लगाने वाली जगह के रेटों के लिफाफे खोले। इस दौरान प्रशासनिक, राजस्व, बिजली कंपनी के अधिकारी और किसान व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। एसडीएम संदीप कुमार ने बताया कि सरकार किसानों के साथ कोई अन्याय नहीं होने देगी। यह पावर ग्रिड लाइन बिजली से सोनीपत तक जाएगी। जिसमें तोशाम उपमंडल के 13 गांव बिरा, मिरान, दरियापूर, छप्पार जोगियाण, छप्पार रांगडान, पिजोखरा, डाडम, बागनवाला, तोशाम, अरुणपुरा, सागनबा और भूटाणा गांव के खेतों से होकर यह बिजली लाइन गुजरेगी। जबकि छप्पार जोगियाण, छप्पार रांगडान और डाडम गांवों के रेट दो दिन में खोले जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि तीन भूमि की कीमत एवं एसडीएम गांव स्तर पर जमीनों के रेट तय करने के लिए इसमें एक किसानों की तरफ से, एक प्रशासन की तरफ से और एक बिजली कंपनी की तरफ से नियुक्त की गई है। तीनों के रेट बंद लिफाफे में लिए गए थे। जमीनों के रेट के बंद लिफाफों को किसानों के साथ बैठक में झा के जरिए खोलकर गांव स्तर पर रेट तय किए गए हैं।

**बवानी खेड़ा में गर्मी तोड़ रही रिकॉर्ड, 43 डिग्री सेल्सियस पहुंचा तापमान, जनजीवन प्रभावित**

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। सोमवार को तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे क्षेत्र में इस सीजन की अब तक की सबसे तेज गर्मी दर्ज की गई। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया। दोपहर होते-होते सड़कें सुनसान नजर आईं और लोग जल्द्री काम होने पर ही घरों से बाहर निकलते तेज गर्मी के कारण बाजारों में भी सामन्य दिनों की अपेक्षा कम भीड़ देखने को मिली। दुकानदारों में प्रतीतिपात, अशोक नाकरिया, रिंकू हांडा, मुकेश कुमार, श्यामसुंदर, हरिराम, महेश कुमार, मंगू कुमार, अनूप कुमार आदि का कहना है कि दोपहर के समय ग्राहक बेहद कम आ रहे हैं। वहीं राहगीर सिर पर कपड़ा बांधकर और पानी की बोतल साथ लेकर निकलते दिखते हैं। गर्म हवाओं के चलते छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि सुबह 9 बजे के बाद ही धूप इतनी तेज हो जाती है कि बाहर खड़ा होना मुश्किल हो जाता है।



**सूई में नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण को मंजूरी, हजारों लोगों को मिलेगा फायदा: आरती मिवानी**

भिवानी। सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में जिले के गांव सूई में नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इस कदम से क्षेत्र के लोगों को अपने गांव के नजदीक ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि गांव सूई में बनने वाले इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण पर लगभग 466.35 लाख रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश के हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें और किसी भी व्यक्ति को इलाज के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े। आरती सिंह राव ने कहा कि इस नए स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से आसपास के गांवों के लोगों को प्राथमिक उच्चारण और सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। इससे मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा और गंभीर बीमारियों की पहचान भी शुरूआती स्तर पर ही जाएगी। उन्होंने बताया कि नए स्वास्थ्य संस्थान के शुरू होने से बड़े सरकारी अस्पतालों पर मरीजों का दबाव कम होगा, जिससे वहां भी बेहतर तरीके से स्वास्थ्य सेवाएं दी जा सकेंगी।

**हरियाणा में चातुर्मास करेंगे आचार्य महाश्रमण**

भिवानी। धर्मसंघ के आचार्य महाश्रमण ने साल 2028 में अपनी ध्वज सेना के साथ हिंजार में चातुर्मास करने की घोषणा की है। गत दिवस हजारों की संख्या में हरियाणा के अनेक शहरों से तेरापंथ के लोग लाडनू पहुंचे थे। हरियाणा वासियों का नेतृत्व करते हुए पूर्व मंत्री सावित्री जिंदन ने आचार्य श्री से हरियाणा में चातुर्मास करने की पुरजोर अर्ज की। हरियाणा के लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए आचार्य महाश्रमण ने साल 2028 में हरियाणा कुरुक्षेत्र गौशाला परिसर हिंसार में चातुर्मास करने की घोषणा की। इस पर पूर्व श्रावक समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। मिवानी से भी सैकड़ों की संख्या में गांधी तेरापंथ समाज के लोगों ने आचार्य से मिवानी में पधारने की अर्ज भी लगाई। लिखित निवेदन पर विचार करके आचार्य ने दिल्ली से मिवानी होते हुए हिंसार धारण की स्वीकृति प्रदान की।

**30 मई को लगेगी विशेष लोक अदालत**

चरखी दादरी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशों के अनुसार 30 मई को पूरे हरियाणा में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत में चेक बाउंड धारा 138 एफ.आई.ए.ए.ए. से संबंधित मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया जाएगा। इस बारे में जानकारी देते हुए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव काजला ने बताया कि जिन व्यक्तियों के चेक बाउंड से संबंधित मामले न्यायालयों में लंबित हैं।

**शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण आर्यन कोचिंग**  
स्थाई एकेडमी (विशवास का दूसरा नाम)  
**12वीं के बाद सरकारी नौकरी**  
नया वैव आरम्भ  
अग्निवीर SSC रेलवे  
हरियाणा पुलिस हरियाणा ग्रुप-डी CET  
AIRFORCE NAVY ARMY  
पता : बस स्टैंड के पास, चरखी दादरी  
9050035973, 9812611926